वर्ष 2024–2025 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत राजभाषा विभाग द्वारा यथा–विनिर्दिष्ट सभी 14 दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है। संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2024–2025 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं:–

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के सदस्य कार्यालयों के लिए केनरा बैंक द्वारा दिनांक 21 मई, 2024 को आयोजित राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में संस्थान के दो कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।
- भारतीय स्टेट बैंक, हरिद्वार के सौजन्य से दिनांक 31 मई, 2024 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में संस्थान के दो कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

- नराकास हरिद्वार के तत्वाधान में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन, हरिद्वार के सौजन्य से दिनांक 06 जून, 2024 को आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के दो पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए ''राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिंदी टूल्स'' विषय पर दिनांक 27 जून, 2024 को एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 21 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 91वीं बैठक दिनांक 27 जून, 2024 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।
- संस्थान में दिनांक 28 अगस्त, 2024 को नराकास, हरिद्वार की 38वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन करवाया गया। इस बैठक में संस्थान की तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' के जुलाई–2024 संस्करण का विमोचन भी किया गया।
- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए दिनांक 27 जून, 2024 को एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 42 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान में दिनांक 14 सितंबर, 2024 से 28 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की सात प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह में संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका ''प्रवाहिनी'' (2024) का विमोचन भी किया गया। हिंदी पखवाड़े का मुख्य समारोह 04 अक्तूबर, 2024 को आयोजित किया गया, बेहतर प्रदर्शन करने वाले 46 पदाधिकारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।
- ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के तहत संस्थान के 10 पदाधिकारियों को दिनांक 04 अक्तूबर, 2024 को आयोजित हिंदी पखवाड़े के मुख्य समारोह में नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।
- संस्थान में राजभाषा चल शील्ड पुरस्कार योजना के अंतर्गत (i) मुख्यालय के प्रशासन अनुभाग तथा (ii) क्षेत्रीय केंद्र काकीनाडा को वर्ष 2023–24 के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 92वीं बैठक दिनांक 17 दिसंबर, 2024 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।
- संस्थान की वर्ष 2023–24 की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी रूपांतरण किया गया।
- नराकास हरिद्वार के रुड़की स्थित सदस्य संगठनों के पदाधिकारियों के लिए दिनांक 09 जनवरी, 2025 को सीबीआरआई, रुड़की में आयोजित हिंदी कार्यशाला में संस्थान के तीन कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) ऋषिकेश द्वारा दिनांक 29 जनवरी, 2025 को आयोजित नराकास, हरिद्वार की 39वीं अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान के स्थानापन्न निदेशक सहित चार अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक में संस्थान को राजभाषा वैजयंती पुरस्कार द्वितीय प्रदान किया गया।
- दिनांक 17 फरवरी, 2025 को जयपुर में आयोजित उत्तर क्षेत्र 1, 2, मध्य व पश्चिम क्षेत्र को मिलाकर आयोजित संयुक्त राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के दो पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए दिनांक 25 मार्च, 2025 को एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 25 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 93वीं बैठक दिनांक 28 मार्च, 2025 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी काम–काज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।
- संस्थान द्वारा वर्ष 2024–25 के दौरान दो हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की गई (i) प्रवाहिनी (2024) तथा (ii) जल चेतना (जुलाई–2024 एवं जनवरी–2025 अंक)।